MRDE-003

MASTER OF ARTS
(RURAL DEVELOPMENT)

Term-End Examination

June, 2021

MRDE-003 : LAND REFORMS AND RURAL DEVELOPMENT

Time : 3 hours *Maximum Marks : 100*

Note : *Attempt all the **five** questions. All questions carry equal marks. Answers to questions no. **1** and **2** should not exceed 800 words each.*

1. Describe major issues related to land reforms in India. *20*

OR

Highlight recommendations of the committee on 'Revitalization of Land Revenue Administration'. *20*

2. Describe the political and social impact of major peasant movements on agrarian society during 1857 – 1947. *20*

OR

Explain the main features of land revenue administration in ancient India. *20*

3. Answer any ***two*** of the following questions in about 400 words each :

(a) Explain the salient features of ceiling of landholdings and computerisation of land records. *10*

(b) What do you mean by Land Reforms ? Point out its scope. *10*

(c) What are the different approaches to study of land reforms ? *10*

4. Write notes on any ***four*** of the following in about 200 words each :

(a) Different land tenure systems followed during the Gupta period *5*

(b) Classifications of land during Akbar's reign in Mughal period *5*

(c) Concept of agrarian structure *5*

(d) Important features of rural society in Pre-colonial period *5*

(e) Important features of Tenancy Acts *5*

(f) Land tenure systems in South India during Pre-colonial period *5*

5. Write short notes on any ***five*** of the following in about 100 words each :

(a) Distinguish between Ownership Holdings and Operational Holdings *4*

(b) Differences between Social Movements and Peasant Movements *4*

(c) Impact of British policy on agrarian society *4*

(d) Salient features of Bardoli Movement *4*

(e) Meaning of Tebhaga Movements *4*

(f) Sanyasis revolt against the British Rule in Bengal *4*

(g) Role of Panchayati Raj institutions in social development *4*

(h) Features of Land Reform Acts of Haryana *4*

एम.ए. (ग्राम विकास)

सत्रांत परीक्षा

जून, 2021

एम.आर.डी.ई.-003 : भूमि सुधार और ग्राम विकास

समय : 3 घण्टे *अधिकतम अंक : 100*

नोट : *सभी **पाँच** प्रश्नों के उत्तर दीजिए । सभी प्रश्नों के अंक समान हैं । प्रश्न सं. **1** और **2** के उत्तर 800 शब्दों (प्रत्येक) से अधिक नहीं होने चाहिए ।*

---

1. भारत में भूमि सुधार से संबंधित प्रमुख मुद्दों का वर्णन कीजिए । *20*

अथवा

'भू-राजस्व प्रशासन पुनरुद्धार' समिति की सिफ़ारिशों को उजागर कीजिए । *20*

2. वर्ष 1857 – 1947 के दौरान हुए प्रमुख किसान आंदोलनों के कृषिक समाज पर राजनीतिक और सामाजिक प्रभाव का वर्णन कीजिए । *20*

अथवा

प्राचीन भारत में भू-राजस्व प्रशासन के प्रमुख लक्षणों की व्याख्या कीजिए । *20*

3. निम्नलिखित में से किन्हीं ***दो*** प्रश्नों के उत्तर लगभग 400 शब्दों (प्रत्येक) में दीजिए :

(क) भू-धृति (जोत) की उच्चतम सीमा और भू-अभिलेखों के कम्प्यूटरीकरण के प्रमुख लक्षणों की व्याख्या कीजिए । *10*

(ख) भूमि सुधार से आपका क्या अभिप्राय है ? इसके क्षेत्र (scope) का उल्लेख कीजिए । *10*

(ग) भूमि सुधार के अध्ययन से संबंधित विभिन्न दृष्टिकोण कौन-से हैं ? *10*

4. निम्नलिखित में से किन्हीं ***चार*** पर लगभग 200 शब्दों (प्रत्येक) में टिप्पणियाँ लिखिए :

(क) गुप्त काल के दौरान अपनाई गई विभिन्न पट्टेदारी प्रणालियाँ *5*

(ख) मुग़ल काल में अकबर के शासनकाल में भूमि का वर्गीकरण *5*

(ग) कृषिक संरचना की अवधारणा *5*

(घ) औपनिवेशिक काल (शासन) से पहले ग्रामीण समाज के महत्त्वपूर्ण लक्षण *5*

(ङ) काश्तकारी अधिनियमों की महत्त्वपूर्ण विशेषताएँ *5*

(च) औपनिवेशिक काल (शासन) से पहले दक्षिण भारत में पट्टेदारी प्रणालियाँ *5*

5. निम्नलिखित में से किन्हीं ***पाँच*** पर लगभग 100 शब्दों (प्रत्येक) में संक्षिप्त टिप्पणियाँ लिखिए :

(क) स्वामित्व जोतों और संक्रियात्मक जोतों में अंतर *4*

(ख) सामाजिक आंदोलनों और किसान आंदोलनों में अंतर *4*

(ग) कृषिक समाज पर ब्रिटिश नीति के प्रभाव *4*

(घ) बारदोली आंदोलन की प्रमुख विशेषताएँ *4*

(ङ) तिभागा आंदोलनों का अर्थ *4*

(च) बंगाल में ब्रिटिश शासन के विरुद्ध संन्यासी विद्रोह *4*

(छ) सामाजिक विकास में पंचायती राज संस्थाओं की भूमिका *4*

(ज) हरियाणा के भूमि सुधार अधिनियमों की विशेषताएँ *4*